रजिस्ट्री सं. डीएल—(एन) 04/0007/2003—25

REGISTERED No. DL—(N) 04/0007/2003—25

# भारत का राजपत्र
# The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-04012025-259903
CG-DL-W-04012025-259903

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 01] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 4—जनवरी 10, 2025 (पौष 14, 1946)

No. 01] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 4—JANUARY 10, 2025 (PAUSA 14, 1946)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

**(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)**

## विषय-सूची

| | पृष्ठ सं. |
|---|---|
| भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं. | 1 |
| भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं. | 1 |
| भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं. | 1 |
| भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं. | 1 |
| भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम. | * |
| भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ. | * |
| भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट. | * |
| भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं). | * |
| भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं. | * |
| भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं). | * |
| भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश. | * |
| भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं. | 1 |
| भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस | * |
| भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं. | * |
| भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं. | 1 |
| भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस. | 1 |
| भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक. | * |

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

## CONTENTS


| | Page No. |
|---|---|
| PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..................................................... | 1 |
| PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ............................ | 1 |
| PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence........... | 1 |
| PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence .............................. | 1 |
| PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations................................................... | * |
| PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations ............................................ | * |
| PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ................................. | * |
| PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)........ | * |
| PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .... | * |
| PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) .................................. | * |
| PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .......... | * |
| PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India .............................. | 1 |
| PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs ......................................... | * |
| PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ...... | * |
| PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ................................... | 1 |
| PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies ................ | 1 |
| PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi ..... | * |


*Folios not received.

# भाग I—खण्ड 1

# [PART I—SECTION 1]

## [(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

## [Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

---

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2024

सं. 164-प्रेज/2024—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. आईसी-67028एम कर्नल मनप्रीत सिंह, सेना मेडल, दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री, 19 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

2. केपीएस-185686 पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल भट्ट, दि जम्मू और कश्मीर पुलिस (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 13 सितम्बर 2023)

13 सितम्बर 2023 को कर्नल मनप्रीत सिंह (आईसी-67028एम) सेना मेडल, अनंतनाग जिले के एक गाँव की घनी जंगली पहाड़ियों में एक विशिष्ट खोज और विनाश अभियान का नेतृत्व कर रहे थे इसी ऑपरेशन मे उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल भट्ट (केपीएस-185686) भी सेना के साथ विशेष संचालन समूह (एसओजी) कॉलम का नेतृत्व कर रहे थे।

कर्नल मनप्रीत सिंह, सेना मेडल - जैसे ही आतंकवादी के ठिकाने का पता चला और उसकी पहचान हुई, आतंकवादियों ने भागने की कोशिश में अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी। कर्नल मनप्रीत सिंह ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, भाग रहे आतंकवादियों की ओर जवाबी फायरिंग की, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी मारा गया। असाधारण नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए, अधिकारी ने भागने के रास्ते बंद करने के लिए तुरंत दल को पुनर्गठित किया। उन्होंने आतंकियों पर लगातार फायरिंग जारी रखी। हालाँकि, आगामी गोलीबारी में कर्नल मनप्रीत सिंह को माथे पर गोली लग गई।

पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल भट्ट, केपीएस-185686- जैसे ही आतंकवादी के ठिकाने का पता चला, आतंकवादियों ने भागने की कोशिश में अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी। पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल भट्ट ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादियों की गोलाबारी का मुँह तोड़ जवाब दिया। आगामी जवाबी गोलीबारी में, पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल भट्ट को गोली लग गई और वह गंभीर रुप से घायल हो गए। गंभीर रुप से घायल होने के बावजूद पुलिस उपाधीक्षक हिमायू मुजम्मिल भट्ट ने भागते हुए आतंकवादी से मुकाबला जारी रखा।

कर्नल मनप्रीत सिंह व पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल भट्ट ने आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए अदम्य साहस और अद्वितीय नेतृत्व का परिचय दिया। उनकी वीरता और तुरंत निर्णय लेने के कारण एक आतंकवादी को मार गिराया गया और बचे हुए आतंकवादियों को घेरा जा सका। मारे गए आतंकवादी की पहचान एक प्रतिबंधित समूह से सम्बन्धित आतंकवादी के रूप में हुई।

अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए, विशिष्ट बहादुरी, अदम्य साहस, अनुकरणीय नेतृत्व और उत्कृष्ट सामरिक कौशलता प्रदर्शित करने व देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने के लिए, कर्नल मनप्रीत सिंह, सेना मेडल व पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल भट्ट को "कीर्ति चक्र (मरणोपरांत)" से सम्मानित किया जाता है।

3. आईसी-82153एन मेजर मल्ला रामा गोपाल नाईडू, दि मराठा लाईट इन्फैन्ट्री, 56 राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 26 अक्टूबर 2023)

मेजर मल्ला रामा गोपाल नाईडू (आईसी-82153एन) संभावित घुसपैठ की खबर पर आधारित घुसपैठ विरोधी अभियान के लिए 26 अक्टूबर 2023 को कुपवाड़ा जिले की सीमा रेखा के साथ तैनात घात दल का नेतृत्व कर रहे थे।

सुबह 1010 बजे उनके स्काउट ने पांच आतंकवादियों को देखा। उन्हें फसाने के लिए इन्होंने तुरंत अपनी घात की जगह बदली। 1025 बजे, घात लगाकर हमला किया गया और भयंकर गोलीबारी हुई और आतंकवादी बड़े पत्थरों के पीछे छुप गए। अधिकारी ने सर्विलेंस ऑपरेशन के तहत एक आतंकवादी के ठिकाने की पहचान की। यद्यपि आतंकवादियों ने उन्हें देख लिया और उन पर भारी गोलीबारी की। अपने सैनिकों के उपर खतरे को भांपते हुए, अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए वो निर्भिकतापूर्वक आगे बढ़े और एक आतंकवादी को बहुत करीब से मार गिराया और दूसरे आतंकवादी को घायल कर दिया, जिसने उनकी दल पर भयंकर गोलीबारी की थी। अधिकारी ने गोलीबारी के बीच जमीन पर रेंगते हुए गोलीबारी करते हुए आतंकवादी को हिलने नहीं दिया, जिससे तीन आतंकवादियों को मार गिराने मे सफलता मिली। तलाशी के दौरान गुफा के अंदर छिपे पांचवे आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी। अधिकारी गुफा की ओर रेंगते हुए बढ़े, जबकि आतंकवादी ने उन पर हथगोले फेंके, जिससे वो बाल-बाल बचे। उन्होंने आतंकवादी को एक क्षण के लिए देखा और इसका फायदा उठाते हुए उसे मार गिराया।

क्लीनिकल ऑपरेशन की योजना बनाने और उसे सफलतापूर्ण अंजाम देने, साहस दिखाने, अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए अपने सैनिकों की जान बचाने, दृढ़ नेतृत्व और दो कट्टर आतंकवादियों को मार गिराने के लिए, मेजर मल्ला रामा गोपाल नाईडू को "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

4. 9121885डब्ल्यू राईफलमैन रवि कुमार, दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री, 63 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 12 सितम्बर 2023)

राईफलमैन रवि कुमार (9121885डब्ल्यू) का स्वभाव बहादुरी भरा रहा है। 12 सितम्बर 2023 को भी वे एक खोजी अभियान में कमान अधिकारी की त्वरित प्रतिक्रिया में स्वेच्छा से अग्रणी स्काउट बनकर कार्य कर रहे थे।

लगभग 1530 बजे, बताए गए संकेतों पर नजर रखते हुए, बहुत ही ऊबड़-खाबड़ और घने जंगलों के बीच दो आतंकवादियों को उन्होंने बहुत करीब से देखा जो कि गोलीबारी करने के लिए तैयार थे। उन्होंने सजगतापूर्वक और बहादुरी से अपने दोस्तों को नुकसान के रास्ते से हटाया और जवाबी कार्यवाही की। प्रारम्भिक गोलीबारी में गोली लगने के बावजूद वे दो आतंकवादियों से लड़ते रहे और एक आतंकवादी को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। इसके साथ ही, उन्होंने अपने अन्य सदस्यों को आतंकवादियों के भागने वाले रास्ते बंद करने के लिए मार्गदर्शन दिया। उनका बहुत खून बह चुका था फिर भी उन्होंने बाहर आने से इंकार कर दिया और आतंकवादियों को मारना जारी रखा, जब तक कि बाकि दस्ता आतंकवादियों को घेर न लें और इसके बाद वे अपनी चेतना खो बैठे। बाहर निकाले जाने के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

राईफलमैन रवि कुमार ने भारतीय सेना की उच्चतम परम्पराओं के अनुसार सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका कार्य गम्भीर खतरे के सामने वीरता, साहस और निस्वार्थता का प्रतीक है। दो कट्टर आतंकवादियों को मार गिराने के अलावा उस कृत्य ने पूरी यूनिट को उत्साहित कर दिया। इस बहादुरी के लिए, राईफलमैन रवि कुमार को "कीर्ति चक्र (मरणोपरांत)" से सम्मानित किया जाता है।

एस एम समी
अवर सचिव

---

सं. 165-प्रेज/2024—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-63508वाई कर्नल पवन सिंह, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 10 अक्टूबर 2023)

10 अक्टूबर 2023 को मिशन कमांडर कर्नल पवन सिंह (आईसी-63508वाई) को माउंट नून के कैंप-।। से कई प्राथमिकता-1 हताहतों की सूचना मिली, जिनकी स्थिति तेजी से बिगड़ रही थी।

लैंडिंग स्थल की टोह लेने के लिए परिकलित जोखिम मूल्यांकन करने के बाद उन्होंने तुरंत उड़ान भरी। यह क्षेत्र किसी भी लैंडिंग स्थल और संदर्भ बिंदु से पूरी तरह से रहित था। 19270 फीट की बिना तैयारी वाली ऊंचाई पर लैंडिंग कभी नहीं की गई और यह हेलीकॉप्टर की शक्ति से परे था। उन्होंने दरवाजे, सीटें, उत्तरजीविका सामान और यहां तक कि न्यूनतम ऑक्सीजन बोतलों को हटाकर विमान का वजन न्यूनतम करने का साहसी और कुशल जोखिम मूल्यांकन किया। प्रतिकूल मौसम और प्रतिकूल परिचालन स्थितियों के बावजूद विमान ने फिर से उडान भरी और व्यक्तिगत सुरक्षा की पूरी तरह से उपेक्षा करते हुए बर्फ, अत्यधिक ठंडा तापमान और ऑक्सीजन की कमी के कारण अक्षम होने के बावजूद अपने कौशल और व्यावसायिकता की एक उत्तम मिसाल दी। अभियान दल के चार सदस्यों और एक नश्वर अवशेष की कम होवर से सफल निकासी की गई।

उनके साहस के अनुकरणीय प्रदर्शन, निर्णय लेने में अतुलनीय समर्पण और कर्तव्य की पुकार के परे अपने जीवन के जोखिम पर साहसी बचाव के लिए, माउंट नून के कैंप-।। से कुल चौदह हताहतों के बचाव का मार्ग प्रशस्त करने के लिए, कर्नल पवन सिंह को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

2. आईसी-75329एल मेजर सी वी एस निखिल, 21वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 23 नवम्बर 2023)

विशिष्ट बल के अनुभवी टीम लीडर मेजर सी वी एस निखिल (आईसी-75329एल) ने भारत-म्यांमार सीमा के पास एक ऑपरेशन के दौरान अव्वल ऑपरेशन कौशलता और वीरता का प्रदर्शन किया। अधिकारी ने अपने असाधारण नेतृत्व एवं ऑपरेशनल कौशलता की गहन समझ से घाटी के दो कैडरों का सफलतापूर्वक खात्मा किया, जिससे भारतीय परिसीमा में घुसपैठ की गतिविधि को रोका गया।

23 नवम्बर 2023 को खतरे की सटीक खुफिया जानकारी को भांपते हुए, मेजर सी वी एस निखिल ने घुसपैठ के मार्ग पर सावधानीपूर्वक घात लगाकर अपनी टीम को तैनात किया। निगरानी टुकड़ी को स्थापित करते ही, स्काउट की सहायता से उन्होंने चतुराई से सशस्त्र कैडरों के एक समूह की पहचान की, जो कि घात लगाए स्थल तक पहुंचना चाहते थे। अंधाधुंध गोलाबारी के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए मेजर सी वी एस निखिल ने अपने साथी के साथ उग्रवादियों का मुकाबला किया और उन्हें एक मारक क्षेत्र में रोके रखा। इस भारी गोलीबारी के बावजूद, अधिकारी अपनी असाधारण निशानेबाजी और साहस का प्रमाण देते हुए परिचालन क्षेत्र में आतंकवादियों की जवाबी भारी गोलीबारी को विफल किया। अनुकरणीय क्षेत्र कुशलता का प्रदर्शन करते हुए, मेजर सी वी एस निखिल ने एक खुंखार उग्रवादी को अपनी सटीक गोलीबारी से मार गिराया। अधिकारी द्वारा प्रदर्शित पहल ने न केवल आतंकवादियों की घुसपैठ को विफल किया, बल्कि टुकड़ी में शामिल सभी साथियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की।

मेजर सी वी एस निखिल ने सामरिक प्रतिभा और अटूट नेतृत्व का परिचय देते हुए न केवल घुसपैठ को रोका बल्कि उग्रवादी समूह के नेतृत्व को भी ध्वस्त किया। उनके वीरतापूर्ण साहस और अव्वल दर्जे के नेतृत्व के लिए, मेजर सी वी एस निखिल को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

3. आईसी-78151एल मेजर आशीष ढोंचक, सेना मेडल, दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री, 19 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

4. 4494574पी सिपाही परदीप सिंह, दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री, 19 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 13 सितम्बर 2023)

13 सितम्बर 2023 को मेजर आशीष ढोंचक (आईसी-78151एल) सेना मेडल व सिपाही परदीप सिंह (4494574पी) अनंतनाग जिले के एक गाँव की घनी जंगली पहाड़ी में एक विशिष्ट खोज और विनाश अभियान का हिस्सा थे।

मेजर आशीष ढोंचक को जैसे ही आतंकवादी के ठिकाने का पता चला और उसकी पहचान की गई, आतंकवादियों ने भागने की कोशिश में अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी। मेजर आशीष ढोंचक, सेना मेडल, ने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए आतंकवादियों की ओर जवाबी गोलीबारी की। अपने कॉलम की सुरक्षा के लिए, अधिकारी ने नि:स्वार्थ भाव से अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना कवर फायर दिया। आगामी गोलीबारी में अधिकारी बंदूक की गोली से गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी अधिकारी ने आतंकवादी से गोलीबारी जारी रखी। हालांकि सटीक गोलीबारी से उनकी टीम को कवर लेने और आतंकवादी को खत्म करने में मदद मिली। अधिकारी ने अदम्य साहस का परिचय दिया और सामने से नेतृत्व करने की सही परिभाषा दी।

सिपाही परदीप सिंह को आतंकवादियों के ठिकाने का पता लगने पर, आतंकवादियों ने भागने की कोशिश में अंधाधुंध गोलीबारी शुरु कर दी। सिपाही परदीप सिंह ने अपने दल का नेतृत्व किया तथा अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए आतंकवादियों पर जवाबी गोलाबारी शुरु कर दी। अपने दल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सिपाही परदीप सिंह ने अपने व्यक्तिगत जोखिम में अपने दल की गोलीबारी से सुरक्षा दी। भयंकर गोलीबारी के बीच सिपाही परदीप सिंह को कई गोलियाँ लगी और वे घायल हो गए। घायल होने के बावजुद भी सिपाही परदीप सिंह ने अपनी स्थिति को बनाए रखा और गोलीबारी जारी रखते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया तथा मेजर आशीष ढोंचक, जो कि उनके दल को कवर फायर दे रहे थे, के साथ मिलकर एक अन्य आतंकवादी को भी मार गिराया।

उनकी अदम्य वीरता, अटूट प्रतिबद्धता और निर्णय क्षमता के कारण आतंकवादी का खात्मा हुआ। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में 'बी' श्रेणी के आतंकवादी के रूप में की गई। कर्तव्य से परे विशिष्ट वीरता प्रदर्शित करते हुए एक कट्टर आतंकवादी को मारने के लिए व देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने के लिए मेजर आशीष ढोंचक, सेना मेडल व सिपाही परदीप सिंह को "शौर्य चक्र (मरणोपरांत)" से सम्मानित किया जाता है।

5. आईसी-81185के मेजर तृप्तप्रीत सिंह, दि सेना सेवा कोर, 34 राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 04 जनवरी 2024)

जनवरी 2022 से मेजर तृप्तप्रीत सिंह (आईसी-81185के) ने 6 सफल ऑपरेशनों में असाधारण वीरता और प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप नौ कट्टर आतंकवादियों का सफाया हुआ।

दिनांक 04 जनवरी 2024 को मिशन लीडर के रूप में शोपियाँ जिले के एक गाँव में आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट जानकारी मिलने पर उन्होंने योजना बनाई और तेजी से लक्षित स्थान की घेराबंदी की।

लम्बे समय तक गोलीबारी और आतंकवादी को मजबूर करने के प्रयासों के बाद उसकी लाभप्रद स्थिति को नष्ट करना व्यर्थ होता देख, अधिकारी इंच दर इंच रेंगते हुए घातक गोलीबारी का सामना करते हुए लक्ष्य के नजदीक जाकर आतंकवादी को बाहर निकलने पर मजबूर किया। आतंकवादी के साथ आमना-सामना होने पर, मेजर तृप्तप्रीत सिंह ने धैर्य बनाये रखा और गंभीर खतरे के सामने अदम्य साहस का परिचय देते हुए उन्होंने व्यक्तिगत रूप से आतंकवादी को बेहद करीब से मार गिराया। बाद में मारे गए आतंकवादी की पहचान एक खुंखार 'ए+' श्रेणी के आतंकवादी के रूप में हुई।

कर्तव्य की सीमा से परे विशिष्ट वीरता, अनुकरणीय नेतृत्व और निडरता प्रदर्शित करने तथा बिना किसी क्षति के एक कट्टर आतंकवदी को मार गिराने के लिए, मेजर तृप्तप्रीत सिंह को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

6. आईसी-83064एफ मेजर साहिल रंधावा, दि तोपखाना रेजिमेंट, 34 राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 16 नवम्बर 2023)

जून 2022 से मेजर साहिल रंधावा (आईसी-83064एफ) ने चार सफल ऑपरेशन के संचालन के दौरान प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जिसके फलस्वरूप 6 कट्टर आतंकवादियों का सफाया हुआ।

दिनांक 16 नवम्बर 2023 को 1200 बजे, शोपियाँ जिले के एक गाँव में पांच आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट जानकारी मिलने पर उन्होंने योजना बनाई और तेजी से लक्षित स्थान की घेराबंदी की, जिसमें पांच आतंकवादी फंस गए।

लगभग 2300 बजे तीन आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेड विस्फोटों की आड़ में घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश की। अपने सैनिकों पर खतरा भांपते हुए मेजर साहिल रंधावा अपने साथी के साथ चपलता और तेजी से आगे बढ़े और उन्हें रोक लिया। आतंकवादियों के साथ आमना-सामना होने के बावजूद अधिकारी ने धैर्य बनाये रखा और गंभीर खतरे के सामने अदम्य साहस का परिचय देते हुए, उन्होंने व्यक्तिगत रुप से एक आतंकवादी को बेहद करीब से मार गिराया और दूसरे को बाधित किया जिससे उनके साथी को दूसरे आतंकवादी को मार गिराने में मदद मिली। बाद में मारे गए आतंकवादी की पहचान 'ए' श्रेणी के एक खुंखार आतंकवादी के रूप में हुई।

कर्तव्य की सीमा से परे विशिष्ट वीरता, उत्कृष्ट कार्यशैली और बिना किसी क्षति के एक कट्टर आतंकवादी को खत्म करने और दूसरे को घायल करने के लिए, मेजर साहिल रंधावा को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

7. जेसी-583083पी सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया, 5वीं बटालियन दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 16 सितम्बर 2023)

सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया (जेसी-583083पी) 16 सितम्बर 2023 को बारामुल्ला जिले की सीमा रेखा के पास एक एंबुश पार्टी के कमांडर थे। नाले के पार चार सशस्त्र आतंकवादियों की आवाजाही के बारे में प्रारंभिक टुकड़ी द्वारा सतर्क किए जाने पर, उन्होंने अपनी घात टुकड़ी को रोक दिया और सामरिक रणनीति बनाए रखी।

अनुकरणीय सामरिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया ने सशस्त्र आतंकवादियों को अपने नजदीक आने दिया और अपनी ढकी हुई स्थिति से उन्होंने आतंकवादियों के समूह को चुनौती दी, जिस पर आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरु कर दी। सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया ने तुरंत फायर कर आतंकवादियों को घायल किया। आतंकवादियों के समूह ने नाले में छिप कर घात लगाकर बैठी टुकड़ी पर फायरिंग शुरु कर दिया। सूबेदार संजीव सिंह जसरोटिया ने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए जमीन की परतों का उपयोग करते हुए भारी गोलीबारी के बीच नाले की ओर रेंगते हुए आतंकवादी को असॉल्ट राइफल से बहुत करीब से मार गिराया, जबकि भाग रहे दो अन्य आतंकवादियों को घायल कर दिया।

अद्वितीय साहस, निस्वार्थ सेवा और रण कौशल प्रदर्शित करने के लिए व विशिष्ट बहादुरी और एक कट्टर आतंकवादी को मार गिराने तथा दो अन्य को घायल करने के लिए, सुबेदार संजीव सिंह जसरोटिया को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

8. जेसी-288663पी नायब सूबेदार पी पबिन सिंगा, दि तोपखाना रेजिमेंट, 56 राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 26 अक्टूबर 2023)

नायब सूबेदार पी पबिन सिंगा (जेसी-288663पी) पांच आतंकवादियों द्वारा संभावित घुसपैठ की जानकारी के आधार पर 25 अक्टूबर 2023 को कुपवाड़ा जिले की नियंत्रण रेखा के पास तैनात घात टुकड़ी के कमांडर थे। 26 अक्टूबर 2023 को तकरीबन सुबह 1010 बजे पांच आतंकवादियों को देखा गया और उन्हें घेरने और भागने से रोकने के लिए उन्होंने तुरंत घात की जगह बदली। वे 1025 बजे, आतंकवादी मारक क्षेत्र में दाखिल हुए और आतंकवादियों पर भारी गोलीबारी की। आतंकवादियों ने भी भीषण गोलीबारी की और हथगोले फेंके। अपने सैनिकों के ऊपर खतरे को भांपते हुए, नायब सुबेदार पी पबिन सिंगा ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, आतंकवादियों की ओर से भारी गोलीबारी के बीच रेंगते हुए, उन पर नजदीक से गोलीबारी की और हथगोले फेंकते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया। दूसरे आतंकवादी ने इन्हें देखा और

इन पर भारी गोलीबारी की तथा हथगोले फेंके। वे अपनी दाहिने ओर लुढ़के और आतंकवादियों पर जवाबी गोलीबारी करते हुए उन्हें पूरी तरह दबाया। दो आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की, वह तुरंत आगे बढ़े और अतंकवादियों पर गोलीबारी की तथा उन्हें भागने से रोका, उन्हें हिलने नहीं दिया, जिससे उन्हें मार गिराने में सफलता मिली।

दृढ़ साहस, अपनी सुरक्षा कि परवाह किए बिना अपने सैनिकों की जान बचाने, असाधारण नेतृत्व और एक कट्टर आतंकवादी को मार गिराने के लिए, नायब सूबेदार पी पबिन सिंगा को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

9. एसपीओ-825 स्पेशल पुलिस ऑफिसर अब्दुल लतीफ, दि जम्मू और कश्मीर पुलिस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 04 सितम्बर 2023)

श्री अब्दुल लतीफ (एसपीओ-825) चार साल से रियासी जिले में एक विशेष पुलिस अधिकारी के रूप में तैनात हैं, वे एक बहादुर समर्पित सैनिक हैं, जो कि सक्रिय रूप से ऑपरेशन में भाग लेते रहे हैं।

04 सितम्बर 2023 को 0545 बजे, दो हथियारबंद आतंकवादी भोजन और सहायता की तलाश में उनके घर पहुंचे। संख्या में कम होने और बिना हथियार के होने के बावजूद, भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के सामने धैर्य बनाए रखते हुए, उन्होंने शुरुआत में खुद को ओवर ग्राउंड वर्कर के रूप में प्रस्तुत करके उनका विश्वास हासिल किया। सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने पहले विश्वास हासिल किया और फिर अपने परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। उसके बाद, भोजन लेने के बहाने घर से बाहर जाने से पहले उसने सावधानी से उस कमरे को बंद कर दिया, जिसमें आतंकवादी आराम कर रहे थे और घर के अन्य निकास द्वारों को भी बंद कर दिया और निकटतम चौकी को सतर्क कर दिया। उसने अपने भाई को घर पर तब तक निगरानी रखने के लिए बुलाया जब तक वह आने वाली टुकड़ियों का मार्गदर्शन नहीं कर लेता। बलों के आगमन पर, उन्होंने सक्रिय रूप से गतिशील अभियानों में भाग लिया, जिससे एक विदेशी आतंकवादी को मार गिराया गया।

श्री अब्दुल लतीफ द्वारा अपने परिवार और खुद के लिए आसन्न खतरे के सामने फौलादी साहस और बेजोड़ वीरता द्वारा प्रदर्शित विशिष्ट वीरतापूर्ण कार्य अद्वितीय है। एक आतंकवादी को खत्म करने के उनके संकल्प, देशभक्ति और बहादुरी के लिए, स्पेशल पुलिस ऑफिसर अब्दुल लतीफ को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

10. कैप्टन शरद सिनसुनवाल (04823-के), कमान अधिकारी भारतीय नौसेना पोत, कोलकाता

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 13 मार्च 2024)

कैप्टन शरद सिनसुनवाल (04823-के) वर्तमान में भारतीय नौसेना पोत, कोलकाता के कमान अधिकारी हैं। उनका जहाज, व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए गल्फ औफ एडन में 16 दिसंबर 23 से तैनात था। इस दौरान कुल 27 हमले हुए थे, जिनमें 13 व्यापारिक जहाजों को गंभीर रूप से क्षति पहुंची और कुछ नाविकों की जान भी चली गई। इन खतरों के बावजूद, भारतीय नौसेना पोत, कोलकाता ने मिसाइल से क्षतिग्रस्त व्यापारिक जहाजों को लगातार सहायता प्रदान की, 67 लोगों की जान बचाई और 17 बंधकों को समुद्री डाकुओं से मुक्त कराया।

22 फरवरी को जब व्यापारिक जहाज आइलैंडर पर दो एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइलों द्वारा हमला किया गया था तब कैप्टन शरद सिनसुनवाल ने अपने एक विस्फोट निरोधक एवं चिकित्सा दस्तों को व्यापारिक जहाज आइलैंडर पर मदद हेतु भेजा, जिससे वह आगे की यात्रा के लिए सक्षम और सुरक्षित हो गया। दूसरी घटना 04 मार्च 24 को अपराहन 3 बजे घटित हुई। जिसमे व्यापारिक जहाज एमएससी स्काई-II पर हौथी विद्रोहियों द्वारा दो बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला हुआ और उसमें आग लग गई। कैप्टन शरद सिनसुनवाल ने आग से उत्पन्न खतरे के बावजूद, टीम को जहाज पर भेजा और उनकी टीम ने मौके पर पहुंच कर अगले 3 घंटे 30 मिनट में आग पर काबू पा लिया। अगली घटना 06 मार्च 24 को शाम 4 बजे हुई, जिसमें व्यापारिक जहाज ट्रू कान्फिडेंस पर हौथी विद्रोहियों द्वारा दो मिसाइलों से हमला हुआ और उसमें आग लग गई। कैप्टन शरद सिनसुनवाल ने खराब मौसम एवं ऊंची समुद्री लहर जैसी विषम परिस्थिति में भी अपने हेलीकाप्टर और नाव का उपयोग करके बचाव अभियान शुरू किया। व्यापारिक जहाज के 24 सदस्यों में तीन की मिसाइल हमले में मृत्यु हो गई थी और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल थे। उनके कार्यों के परिणामस्वरूप सभी जीवित बचे लोगों को बचा लिया गया। आखिरी घटना 13-15 मार्च 24 को हुई, जब कोलकाता ने हाईजैक किए गए व्यापारिक जहाज रुएन को रोका, जिसमें 35 समुद्री लुटेरों ने 17 बुल्गारियाई और म्यांमारी लोगों के दल को बंधक बना रखा था। भारतीय नौसेना पोत, कोलकाता ने बंधकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए, 40 घंटों की अवधि में समुद्री डाकुओं पर हथियारों से गोलीबारी किया। उनकी बहादुरी के परिणामस्वरूप सभी 35 समुद्री लुटेरों ने आत्मसमर्पण कर दिया और सभी बंधकों को बचा लिया गया।

इन चार घटनाओं में भारतीय नौसेना पोत, कोलकाता की कार्रवाई के परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय और भारतीय शीर्ष नेतृत्व ने भारतीय नौसेना की प्रशंसा की। कैप्टन शरद सिनसुनवाल के साहस, त्वरित निर्णय लेने, नेतृत्व, निस्वार्थता और कर्तव्य के लिए "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

11. लेफ्टिनेंट कमांडर कपिल यादव (44003-एफ), सहायक अभियंता अधिकारी, भारतीय नौसेना पोत, विशाखापत्तनम

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 27 जनवरी 2024)

लेफ्टिनेंट कमांडर कपिल यादव (44003-एफ) भारतीय नौसेना पोत, विशाखापत्तनम पर सहायक अभियंता अधिकारी के रूप में पदस्थापित हैं, 26 जनवरी, 2024 को रात 10.20 बजे, जब जहाज गल्फ आफ एडेन में गश्त लगा रहा था तभी मिसाइल हमले में क्षतिग्रश्त एक

तेल टैंकर एमवी मार्लिन लुआंडा जोकि अत्यन्त ही ज्वलनशील पदार्थ, नेफ्था ले जा रहा था, मदद के लिए भा.नौ.पौ. विशाखापत्तनम से संपर्क किया।

अग्निशमन में दक्षता की कमी के कारण और जहाज पर बढ़ रही आग के कारण, एमवी मार्लिन लुआंडा के कप्तान ने सहायता मांगी। भारतीय नौसैनिक जहाज तत्परता दिखते हुए संकटग्रस्त जहाज के समीप पहुंच गया। ऐसे विषम परिस्थिति में लेफ्टिनेंट कमांडर कपिल यादव ने आगे आकर, तत्परता और लगन के साथ, एमवी मार्लिन लुआंडा पर जाकर आग से लड़ने और वहां फंसे हुए नाविक दल की मदद करने की हिम्मत दिखाई। एमवी मार्लिन लुआंडा नेफ्था ले जा रहा था, जो व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रशासन (ओएसएचए) खतरा संचार मानक (29 सीएफआर 1910.1200) द्वारा सूचीबद्ध एक अत्यधिक ज्वलनशील और खतरनाक सामग्री है। यह पदार्थ आंखों में जलन पैदा करता है और अगर सांस के साथ अंदर चला जाए तो केंद्रीय तंत्रिका तंत्र / श्वसन तंत्र को नुकसान करता है और निगलने पर घातक सिद्ध हो सकता है। अधिकारी ने बहादुरी के साथ आग से लड़ना जारी रखा और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, उच्च तापमान तथा हानिकारक गैसों के मध्य जाकर मिसाइल से क्षतिग्रस्त ईंधन टैंक में छिद्र को प्लेट से ढक दिया। यह कार्य आक्सीजन की आपूर्ति में कटौती करने में सहायक साबित हुआ और 18 घंटों से लगी आग को बुझाने में मदद मिली। इसके पश्चात अगले छह घंटे में आग पर काबू पा लिया गया।

इस अधिकारी के वीरतापूर्ण कार्य और तकनीकी विशेषज्ञता ने, भारतीय नौसेना की छवि को सकारात्मक रूप से पेश किया है और दुनिया भर में इसकी प्रतिष्ठा को काफी बढ़ाया है। प्रतिकूल परिस्थितियों में अधिकारी की अटूट धैर्य, लड़ाई की भावना और संकल्प ने अमूल्य जीवन बचाया और सेवा और योग्यता मान्यता के उच्चतम मूल्यों को बनाए रखा है। लेफ्टिनेंट कमांडर कपिल यादव को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

12. विंग कमाडंर वर्निन डेस्मिंड कीन वायु सेना मेडल (31215) उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 24 जुलाई 2023)

विंग कमांडर वर्निन डेस्मिंड कीन वायुसेना मेडल (31215) उड़ान (पायलट) 28 फरवरी 2022 से जगुआर स्क्वॉड्रन में तैनात हैं।

24 जुलाई 2023 को जगुआर लड़ाकू वायुयान पर सॉर्टी के दौरान इन्होंने ऑयल 1 तथा ऑयल 2 में विफल होने की चेतावनी अनुभव की। इस चेतावनी में ईंधन प्रणाली की एक बड़ी गड़बड़ी दिखाई दी जिसमें इंजन को तुरंत जाम होने से बचाने के लिए दोनों इंजनों को तुरंत बंद किया जाना आवश्यक था। इस प्रणाली में ऐसी समस्या पहले कभी उत्पन्न नही हुई थी। पायलट ने बिना किसी घबराहट के बाएं इंजन को बंद करने का निर्णय लिया और दाहिने इंजन का उपयोग करते हुए नजदीकी हवाईपट्टी पर उतरने की प्रक्रिया प्रारंभ की। इसी दौरान 2500 फीट की ऊंचाई पर दाहिना इंजन अकस्मात बंद हो गया। बिना ईंजन के वायुयान शक्तिहीन हो कर केवल ग्लाइड में था और तेजी से नीचे आ रहा था तथा घनी आबादी वाले गोरखपुर शहर की ओर बढ़ रहा था। चूंकि एकमात्र सेवायोग्य इंजन भी जाम हो गया था, ऐसी स्थिति में तुरंत इजेक्शन जरूरी था। पायलट ने उत्तम उड़ान कौशल प्रदर्शित करते हुए वायुयान को नियंत्रित किया, जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए इजेक्शन के विचार को नकार दिया तथा ईंधन के खाली टैंकों को आबादी वाले क्षेत्र से दूर गिरा दिया। साथ ही इन्होंने बाएं इंजन को दोबारा चालू करने (रिलाइट) का निर्णय लिया और सफलतापूर्वक इसे चालू भी कर दिया था। तत्पश्चात इन्होंने कुशलतापूर्वक वायुयान को नियंत्रित करते हुए, एकल इंजन पर वायुयान को हवाई पट्टी पर उतार लिया।

जीवन को खतरे में डालने वाली इन अनेक परिस्थितियों के बीच अफसर ने बहुत बुरी तरह से खराब हो चुके वायुयान को बचाने में असाधारण साहस, दृढ़-निश्चय तथा धैर्य का प्रदर्शन किया। वायुयान के खराब होने के बावजूद इनके निर्भीक दिलेर निर्णय और उत्तम उड़ान कौशल एवं असाधारण स्थितिजन्य जागरूकता से एक बेशकीमती राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा हुई तथा जमीन पर होने वाली संभावित जान-माल की क्षति नहीं हुई। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए विंग कमांडर वर्निन डेस्मिंड कीन, वायुसेना मेडल को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

13. स्क्वॉड्रन लीडर दीपक कुमार (32754) उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 25 अगस्त 2023)

स्क्वॉड्रन लीडर दीपक कुमार (32754) उड़ान (पायलट) 17 अप्रैल 23 से वायुसेना स्टेशन हाकिमपेट में तैनात हैं। 25 अगस्त 2023 को इन्हें किरन वायुयान में एक प्रशिक्षु पायलट के साथ घोर अंधेरी रात्रि में अनुदेशात्मक उड़ान भरने हेतु प्राधिकृत किया गया।

कम ऊंचाई की उड़ान (लो ओवरशूट) भरते समय वायुयान से किसी पक्षी के टकराने का आभास हुआ जिसके परिणामस्वरूप इंजन आग की लपटों में घिर गया। वायुयान के अंडरकैरिएज को वापिस समेटा जा चुका था तथा विमान ऊंचाई की तरफ जा रहा था। इन्होंने अच्छी प्रकार से स्थिति का आकलन किया तथा वायुयान को सीधे ही बलपूर्वक (फोर्स लैंड) लैंड करने का निर्णय लिया। साथ ही इन्होंने फ्लाइट कैडेट को अंडर कैरिएज को नीचे (लोअर) करने का निर्देश दिया। रात्रि में सीमित संकेतों के बावजूद इन्होंने वायुयान को हवाईपट्टी पर फोर्स लैंड कराने के लिए अपनी असाधारण निर्णय क्षमता तथा उत्तम उड़ान कौशल का उपयोग किया। फोर्स लैंडिंग के बाद हवाईपट्टी की उपलब्ध लंबाई केवल 1000 फीट थी। पायलट द्वारा तुरन्त इंजन स्विच ऑफ करने तथा ब्रेकिंग और अरेस्टर बैरियर का उपयोग करने से वायुयान को न्यूनतम क्षति हुई तथा इसे सुरक्षित रूप से रोकना संभव हुआ। हाकिमपेट में साधारण सी छोटी हवाईपट्टी होने के कारण फोर्स लैंडिंग के लिए पायलट को अत्यन्त कम समय उपलब्ध था तथा रात्रि कालीन परिस्थितियों ने इसे और जटिल बना दिया था।

जीवन को खतरे में डालने वाली इन परिस्थितियों के बीच अफसर ने बुरी तरह से खराब हो चुके वायुयान को बचाने में असाधारण साहस, दृढ़-निश्चय तथा धैर्य का प्रदर्शन किया। अंधेरी रात में वायुयान को फोर्स लैंड करने के इनके निर्भीक एवं दिलेर निर्णय और उत्तम उड़ान कौशल तथा असाधारण स्थितिजन्य जागरूकता से एक बेशकीमती राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा हुई तथा संभावित रूप से होने वाली जान-माल की हानि भी नहीं हुई। इनके इस असाधारण साहस और शौर्य से पूर्ण कृत्य के लिए स्क्वॉड्रन लीडर दीपक कुमार को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

14. श्री पवन कुमार, सिपाही / जीडी, सीआरपीएफ (मरणोपरांत)

15. श्री देवन सी, सिपाही / जीडी, सीआरपीएफ (मरणोपरांत)

16. श्री लखवीर, उप कमाण्डेंट, सीआरपीएफ

17. श्री राजेश पंचाल, सहायक कमाण्डेंट, सीआरपीएफ

18. श्री मलकीत सिंह, सिपाही / जीडी, सीआरपीएफ

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 30 जनवरी 2024)

दिनांक 30 जनवरी, 2024 को 201 कोबरा और 150 बटालियन, सीआरपीएफ ने नकसलियों के गढ़ माने जाने वाले टेकलगुडियम, थाना जगरगुण्डा, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ में एक नया एफ.ओ.बी स्थापित करने के लिए एक अभियान शुरू किया।

जब 201 कोबरा के कमाण्डो नये एफ.ओ.बी. लगाने की जगह को कोर्डन कर रहे थे तो देखा कि दक्षिणी दिशा से सशस्त्र नक्सली उनकी तरफ बढ़ रहे थे। श्री लखवीर, उप कमाण्डेंट ने तुरंत अपनी टीमों को सतर्क किया और स्थिति संभाली क्योंकि नक्सलियों ने अचानक भारी गोलीबारी शुरू कर दी थी। श्री लखवीर, उप कमाण्डेंट ने टीम का कुशलता पूर्वक नेतृत्व करते हुए बहादुरी से नक्सलियों का सामना किया तथा अपने साथी जवानों को प्रेरित किया और नक्सली हमले को विफल कर दिया। उनके कुशल नेतृत्व क्षमता और बहादुरी से अभियान सफल रहा। इस अभियान में दोनों तरफ से हुई भीषण गोलाबारी के बावजूद सुरक्षा बलों ने कई नक्सलियों को मार गिराया।

श्री लखवीर उप कमाण्डेंट, उनके सिर पर बी.जी.एल. विस्फोट की चोट के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए थे फिर भी उन्होंने धैर्य बनाए रखा और सिर से हो रहे अत्यधिक रक्तस्राव को रोकने के लिए उन्होंने अपना पटका/स्कार्फ सिर पर बाँधा और अपने जवानों का नेतृत्व करना जारी रखा। अपनी गंभीर चोट के बावजूद, उन्होंने घायल जवानों को निकालने में समन्वय किया। इस भीषण मुठभेड़ के दौरान सिपाही / जीडी श्री पवन कुमार और सिपाही /जीडी श्री देवन सी. ने अपनी जान को जोखिम में डालकर आगे बढ़ रहे नक्सलियों का डटकर मुकाबला किया, जिसमे सिपाही/जीडी श्री पवन कुमार अंतत: एक स्नाइपर की गोली लगने से वीरगति को प्राप्त हो गए। इस दौरान बहादुरी से बचाव करने के प्रयास में, सिपाही/जीडी श्री मलकीत सिंह ने असाधारण साहस एवं वीरता का परिचय देते हुए सिपाही/जीडी श्री पवन कुमार के पार्थिव शरीर को बाहर निकालने के लिए स्वयं की परवाह किए बगैर भारी गोलीबारी के बीच मोर्चा संभाला। सिपाही/जीडी श्री मलकीत सिंह ने सीने में गोली लगने के बाद भी बहादुरी के साथ लड़ाई जारी रखी और नक्सलियों को मार गिराया। इस अभियान के दौरान सिपाही/जीडी श्री पवन कुमार और सिपाही/जीडी श्री देवन सी. ने असाधारण बहादुरी का परिचय दिया और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी श्री राजेश पंचाल, सहायक कमाण्डेंट ने भी भारी गोलीबारी के बीच असाधारण नेतृत्व का प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके दाहिने हाथ में गोली लगी, फिर भी उन्होंने अपनी टीम के जवानों का नेतृत्व करना और उन्हें प्रेरित करना जारी रखा।

अत: उनकी वीरता, बलिदान तथा उनकी विशिष्ट बहादुरी, असाधारण साहस और उच्च समर्पण के लिए सिपाही/जीडी श्री पवन कुमार (मरणोपरांत), सिपाही/जीडी श्री देवन सी (मरणोपरांत), उप कमाण्डेंट श्री लखवीर, सहायक कमाण्डेंट श्री राजेश पंचाल, सिपाही/जीडी श्री मलकीत सिंह को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

एस एम समी
अवर सचिव

---

सं. 166-प्रेज/2024—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "बार टू सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. आईसी-73757एल लेफ्टिनेंट कर्नल नितिन कुमार सिंह, सेना मेडल, दि महार रेजिमेंट, 1 राष्ट्रीय राईफल्स

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 167-प्रेज/2024—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. आईसी-61047एफ लेफ्टिनेंट कर्नल रमन त्यागी, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, मुख्यालय 26 सेक्टर असम राईफल्स
2. आईसी-65970डब्ल्यू लेफ्टिनेंट कर्नल अजय कुमार, 3 कोर आसूचना बटालियन
3. आईसी-69638एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल सुधीर सिंह कालाकोटी, दि पाँचवी गोरखा राईफल्स, 33 राष्ट्रीय राईफल्स
4. आईसी-70651एन लेफ्टिनेंट कर्नल एस हर्षावर्धनन, 27 माउंटेन डिव ऑर्डिनेंस यूनिट
5. आईसी-71323एम लेफ्टिनेंट कर्नल रोशन कुमार जैन, 14वीं बटालियन दि महार रेजिमेंट
6. आईसी-72230के लेफ्टिनेंट कर्नल प्रियंक पुरी, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
7. आईसी-72243एफ लेफ्टिनेंट कर्नल सकील अहमद, दि तोपखाना रेजिमेंट, 36 असम राईफल्स
8. आईसी-74803एफ लेफ्टिनेंट कर्नल नगेन्द्र कुमार सारस्वत, चौथी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
9. आईसी-75136एल लेफ्टिनेंट कर्नल मुतम अजय मैतेई, 5 लद्दाख स्काऊट्स
10. आईसी-76478एल मेजर गौरव भारद्वाज, दि बिहार रेजिमेंट, 63 राष्ट्रीय राईफल्स
11. आईसी-76988एम मेजर रॉबिन देव आनंद, दि 8 गोरखा राईफल्स, 33 राष्ट्रीय राईफल्स
12. आईसी-77068एफ मेजर नक्षत्र सिंह गोराया, दि मद्रास रेजिमेंट, 8 राष्ट्रीय राईफल्स
13. आईसी-77384ए मेजर सचिन कुमार, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
14. आईसी-77413के मेजर प्रसून पाण्डे, 1 लद्दाख स्काऊट्स
15. आईसी-78506एल मेजर अमर बक्शी, 19वीं बटालियन दि राजपूत रेजिमेंट
16. आईसी-79099ए मेजर गगनदीप सिंह, दि तोपखाना रेजिमेंट, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
17. आईसी-79721एच मेजर नितिन रावत, दि पंजाब रेजिमेंट, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
18. आईसी-80621के मेजर शंतनु घाटपाण्डे, 5वीं बटालियन दि 9वीं गोरखा राईफल्स
19. आईसी-82239एम मेजर गौतम देव सिंह, 21वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
20. आईसी-82420के मेजर मनोहर सिंह, दि जाट रेजिमेंट, 13 असम राईफल्स
21. आईसी-82507एल मेजर गिरिश ए मस्ती, दि कोर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स, 57 राष्ट्रीय राईफल्स
22. आईसी-82926एच मेजर सौरव सिंह, 14वीं बटालियन दि डोगरा रेजिमेंट
23. आईसी-82952के मेजर गौरव बिष्ट, दि मद्रास रेजिमेंट, 25 राष्ट्रीय राईफल्स
24. आईसी-84427एम मेजर गितांश अहलुवालिया, 9वीं बटालियन दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री
25. आईसी-86578के मेजर पुश्पेन्द्र सिंह वर्मा, 5वीं बटालियन दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स
26. एसएस-45980वाई मेजर मोहित रावत, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
27. एसएस-47593एच मेजर अनिल कुमार, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, 44 राष्ट्रीय राईफल्स
28. एसएस-47912के मेजर रामसागर पांडे, दि 11 गोरखा राईफल्स, 1 सिक्किम स्काऊट्स
29. एसएस-48876डब्ल्यू मेजर मानिक सिंह, दि ब्रिगेड ऑफ दि गार्डस, 11 असम राईफल्स
30. एसएस-49008डब्ल्यू मेजर आनंद गौरव, दि पैराशूट रेजिमेंट, हाई एल्टिट्यूड वॉरफेयर स्कूल
31. एसएस-49045के मेजर सौग्राकपम ऋषिकेश सिंह, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
32. एसएस-50219एल मेजर लालडिंगनघेटा, दि मद्रास रेजिमेंट, 8 राष्ट्रीय राईफल्स
33. टीए-42982वाई मेजर अमित शर्मा, 160 इन्फैन्ट्री बटालियन (टेरिटोरियल आर्मी)
34. आईसी-88646एल कैप्टन अजय शर्मा, 6 इंजीनियर रेजिमेंट
35. एसएस-50062डब्ल्यू कैप्टन राजेश सिंह, 19वीं बटालियन दि मद्रास रेजिमेंट

36. एसएस-51776डब्ल्यू कैप्टन रोहन रविंद्र हणगि, दि कोर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स, चौथी बटालियन दि राजपुताना राईफल्स
37. जेसी-414937के नायब सूबेदार दीपक कुमार शर्मा, 21वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
38. जेसी-523635एन नायब सूबेदार रमेश चन्द्र, 14वीं बटालियन दि डोगरा रेजिमेंट
39. जेसी-613350एच नायब सूबेदार भोज राज थापा, दूसरी बटालियन दि चौथी गोरखा राईफल्स
40. 13627381एन हवलदार प्रकाश छेत्रि, 21वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
41. 13770458एन हवलदार सुदेश कुमार, छठी बटालियन दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स
42. 15565885एच हवलदार अनिल दिनकर कलसे, 267 इंजीनियर रेजिमेंट (मरणोपरांत)
43. 16111860एल हवलदार वीरभद्रप्पा निंगनूर, 20 इंजीनियर रेजिमेंट
44. 13628789वाई नायक सुभाष चन्द्र वर्मा, दि महार रेजिमेंट, 1 राष्ट्रीय राईफल्स
45. 13628828एम नायक मुस्ताक अहमद भट, 9वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
46. 13777115ए नायक शशी ठाकुर, 21वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
47. 13778896एल नायक लोकेन्द्र शर्मा, 5वीं बटालियन दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स
48. 14705416के नायक एल मचिन्मी, 9वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
49. 2811392एम नायक गोरे अमोल तानाजी, 11वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)
50. 3012149डब्ल्यू नायक सोनू प्रताप सिंह, दि राजपूत रेजिमेंट, 44 राष्ट्रीय राईफल्स
51. 9113368के नायक मोहम्मद इकबाल खान, दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री, 8 राष्ट्रीय राईफल्स
52. 13630846एन लांस नायक मनीर हुसैन, 12वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
53. 7244307डब्ल्यू एक्टिंग लांस दफादार राजेश कुमार उमरे, 21 आर्मी डॉग यूनिट
54. 15809147एल सिपाही शशि रंजन, दि सेना वायु रक्षा, 25 राष्ट्रीय राईफल्स
55. 2624483एल सिपाही अशोक जी, दि मद्रास रेजिमेंट, 8 राष्ट्रीय राईफल्स
56. 2819007एम सिपाही कनेरकर संदीप कृष्णाथ, दि मराठा लाईट इन्फैन्ट्री, 56 राष्ट्रीय राईफल्स
57. 2819649एफ सिपाही मुत्तु सप्पूरी, दि मराठा लाईट इन्फैन्ट्री, 56 राष्ट्रीय राईफल्स
58. 3019345वाई सिपाही राकी सेंगर, दि राजपूत रेजिमेंट, 44 राष्ट्रीय राईफल्स
59. 3022056पी सिपाही मोहित कुमार, दि राजपूत रेजिमेंट, 44 राष्ट्रीय राईफल्स
60. 3212074एन सिपाही तारा चंद रनवा, दि जाट रेजिमेंट, 34 राष्ट्रीय राईफल्स
61. 3213898एच सिपाही विकाश, दि जाट रेजिमेंट, 34 राष्ट्रीय राईफल्स
62. 15242620एन गनर हरी चन्द, दि तोपखाना रेजिमेंट, 34 राष्ट्रीय राईफल्स
63. 13632959पी पैराट्रूपर सुशील, 29वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

एस एम समी
अवर सचिव

---

सं. 168-प्रेज/2024—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "नौ सेना मेडल/नेवी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. कैप्टन ब्रिजेश नम्बियार (04867-के)
2. कैप्टन राजाबाबू शर्मा (05835-के)
3. कमांडर राहुल शर्मा (06456-वाई)

4. लेफ्टिनेंट कमांडर वैभव त्यागी (07904-एन)
5. लेफ्टिनेंट कमांडर हरदीप सिंह (08375-एच)
6. लेफ्टिनेंट कमांडर नवीन राठी (08969-एच)
7. लेफ्टिनेंट कमांडर हर्षुल भाट्ट (09376-एच)
8. एम सी पी ओ I (जी एस) वीर सिंह यादव (117314-जेड)
9. एल एस (जी डब्ल्यू) जी आई अविनाश चौधरी (237490-ए)
10. सी I (एम सी) विशाल (250048-टी)
11. एम ई I पारस राणा (260414-ए)

एस एम समी
अवर सचिव

---

सं. 169-प्रेज/2024—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल/एयरफोर्स मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

1. विंग कमांडर आनंद विनायक आगाशे (27228) उड़ान (पायलट)
2. विंग कमांडर जसप्रीत सिंह संधु (29033) उड़ान (पायलट)
3. विंग कमांडर अक्षय अरूण महाले (29451) उड़ान (पायलट)
4. स्क्वाड्रन लीडर महीपाल सिंह राठौड़ (32799) उड़ान (पायलट)
5. जूनियर वारंट अफसर विकास राघव (904504) भारतीय वायु सेना (गरूड़)
6. सार्जेन्ट अश्वनी कुमार (931627) फ्लाइट गनर

एस एम समी
अवर सचिव

---

सं. 170-प्रेज/2024—राष्ट्रपति महोदया, सेनाध्यक्ष से रक्षा मंत्री द्वारा “मेंशन इन डिस्पेच” प्राप्त करने वाले निम्नलिखित अधिकारियों/कार्मिकों के नामों को भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने का आदेश देती हैं:—

ऑपरेशन रक्षक

1. आईसी-81289एल मेजर अशुतोष कुमार यादव, 9वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
2. आईसी-88314एफ कैप्टन जैदीप सिंह, छठवीं बटालियन दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स
3. जेसी-624527एल सुबेदार टंक बहादुर दरलामी, दि 8 गोरखा राईफल्स, 33 राष्ट्रीय राईफल्स
4. जेसी-414546वाई नायब सुबेदार महेंदेर सिंह, 9वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
5. जेसी-442996एम नायब सुबेदार कलेश के पिल्लई, 19वीं बटालियन दि मद्रास रेजिमेंट
6. 13627891पी हवलदार जुगेंद्र सिंह, 9वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
7. 4003192एम हवलदार विरेन्द्र सिंह, 14वीं बटालियन दि डोगरा रेजिमेंट
8. 4283461एच हवलदार चारो उराव, दि बिहार रेजिमेंट, 63 राष्ट्रीय राईफल्स
9. 4573242एम हवलदार कमलजीत सिंह, 14वीं बटालियन दि महार रेजिमेंट
10. 2619177एम नायक सुरेश उंदुरे, दि मद्रास रेजिमेंट, 25 राष्ट्रीय राईफल्स
11. 4289857एच नायक बिक्रम केसरी मल, दुसरी बटालियन दि बिहार रेजिमेंट
12. 5253831वाई नायक धिरज मग्राती, 5वीं बटालियन दि तीसरी गोरखा राईफल्स
13. 15509488के एक्टिंग लांस दफादार हंस राज, दि कवचित कोर, 8 राष्ट्रीय राईफल्स

14. 23001456एच सिपाही रवि शंकर, दि सेना वायु रक्षा, 25 राष्ट्रीय राईफल्स
15. 23002372एफ सिपाही विशाल कुमार, दि सेना वायु रक्षा, 63 राष्ट्रीय राईफल्स
16. 4297588डब्ल्यू सिपाही बिट्टू कुमार, दि बिहार रेजिमेंट, 63 राष्ट्रीय राईफल्स
17. 5355516डब्ल्यू राईफलमैन गौतम पुन, दुसरी बटालियन दि चौथी गोरखा राईफल्स
18. 5460908एच राईफलमैन राज कुमार सूनम, दि 5 गोरखा राईफल्स, 33 राष्ट्रीय राईफल्स
19. 15520632एफ सोवार जितेन्द्रा, दि कवचित कोर, 8 राष्ट्रीय राईफल्स
20. 15522601ए सोवार दीपक कुमार, दि कवचित कोर, 8 राष्ट्रीय राईफल्स
21. 08बी2 आर्मी डॉग केंट, 21 आर्मी डॉग यूनिट (मरणोपरांत)

ऑपरेशन स्नो लिओपार्ड

22. आईसी-76709डब्ल्यू मेजर भुवन प्रताप सिंह, 12वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
23. आईसी-82292एक्स मेजर हरमनदीप सिंह बरार, दि सेना वायु रक्षा, 38 राष्ट्रीय राईफल्स
24. जेसी-532854डब्ल्यू सुबेदार ललित मोहन सिँह, चौथी बटालियन दि गढ़वाल राईफल्स
25. 9114625एच हवलदार शादिल हुस्सैन इट्टू, 12वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
26. 15586988पी नायक रमिन्दर सिंह, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, 51 आर सी सी (ग्रैफ)
27. 9428002एच लांस नायक कर्मा वांग्याल भुटिया, दि 11 गोरखा राईफल्स, 1 सिक्किम स्काऊट्स
28. 4383462ए सिपाही एच लालरोकिमा, दि असम रेजिमेंट, 59 राष्ट्रीय राईफल्स

ऑपरेशन सहायता

29. एसएल-05556एन लेफ्टिनेंट हरवंत सिंह, 16वीं बटालियन दि कुमाऊँ रेजिमेंट
30. 15214231एक्स हवलदार देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, 305 फील्ड रेजिमेंट

ऑपरेशन हिफाजत

31. आईसी-75518पी मेजर दुर्गेश्वर प्रताप सिंह, दि कुमाऊँ रेजिमेंट, 36 असम राईफल्स
32. 4371713एम हवलदार मोकाबा एओ, 21वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

ऑपरेशन ऑर्चिड

33. आईसी-81896के मेजर अमित मिश्रा, दि तोपखाना रेजिमेंट, 23 असम राईफल्स
34. एसएस-48896के मेजर रविकांत मेहरा, दि डोगरा रेजिमेंट, 27 असम राईफल्स
35. 13627213पी हवलदार हरी थापा, 21वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

ऑपरेशन कत्वल

36. एसएस-51519वाई लेफ्टिनेंट युगान्त कुमार पाण्डेय, 8वीं बटालियन दि सिख रेजिमेंट

आई एस ड्यूटी

37. जेसी-608619एन नायब सुबेदार थमन बहादुर थापा, प्रथम बटालियन दि तीसरी गोरखा राईफल्स

मिशलेनियस ऑपरेशन

38. आईसी-76617के मेजर विशाल कुमार यादव, 11वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
39. आईसी-81839एच मेजर प्रतीक कुमार, 11वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

एस एम समी
अवर सचिव

---

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2024

No. 164-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of the "Kirti Chakra" to the under mentioned personnel for the acts of conspicuous gallantry:—

1. IC-67028M COLONEL MANPREET SINGH, SENA MEDAL, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
2. KPS-185686 DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE HIMAYUN MUZZAMMIL BHAT, THE JAMMU AND KASHMIR POLICE (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 13 September 2023)

On 13 September 2023, Colonel Manpreet Singh (IC-67028M) Sena Medal was heading a specific search and destroy operation in densely forested hills of a village in Anantnag District. In the same operation Deputy Superintendent of Police Himayun Muzzammil Bhat volunteered to lead the Special Operations Group (SOG) column.

Colonel Manpreet Singh, Sena Medal: As the terrorist hideout was located and identified, terrorists opened indiscriminate fire in a bid to escape. Colonel Manpreet Singh, Sena Medal unmindful of his own safety, returned fire towards the escaping terrorists resulting in killing of one terrorist. Displaying extraordinary leadership, the officer quickly reorganised the party to plug the escape routes. He continued to direct fire on the terrorists. However, in the ensuing gunfight Colonel Manpreet Singh, Sena Medal sustained severe Gun Shot Wound on the forehead.

Deputy Superintendent of Police Himayun Muzzammil Bhat: As the terrorist hideout was located, terrorists opened indiscriminate fire in a bid to escape. Deputy Superintendent of Police Himayun Muzzammil Bhat being unmindful of his own safety, fired back at the terrorists. In the ensuing firefight, Deputy Superintendent of Police Himayun Muzzammil Bhat sustained severe Gun Shot Wounds. Despite grave injury, Deputy Superintendent of Police Himayun Muzzammil Bhat continued to engage the escaping terrorist.

Colonel Manpreet Singh, Sena Medal and Deputy Superintendent of Police Himayun Muzzammil Bhat displayed raw courage and unparalleled leadership by leading from the front. The undaunting valour and quick decision making led to the elimination of one terrorist and preventing escape of other terrorists.

For displaying conspicuous bravery, raw courage, exemplary leadership and excellent tactical acumen with sheer disregard to own safety and making supreme sacrifices to thenation Colonel Manpreet Singh, Sena Medal and Deputy Superintendent of Police Himayun Muzzammil Bhat are awarded "KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)".

3. IC-82153N MAJOR MALLA RAMA GOPAL NAIDU, THE MARATHA LIGHT INFANTRY, 56 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 26 October 2023)

Major Malla Rama Gopal Naidu (IC-82153N) was the leader of an ambush party deployed along the Line of Control in Kupwara District on 26 October 2023 for intelligence based counter infiltration operation.

At 1010 hours, his scout spotted five terrorists. He immediately relocated his ambush to trap them. At 1025 hours, ambush was sprung, fierce fire fight ensued and terrorists took cover behind boulders. The Officer under took surveillance operation and identified location of one terrorist. However, the terrorists spotted him and opened heavy fire. Sensing danger to his troops, he ferociously closed in and killed one terrorist at point blank range and injured another terrorist, who brought down heavy fire on his party. The officer rolled over under volley of fire, pinned down the terrorist with fire, facilitating elimination of three terrorists.

During the search, fifth terrorist hiding inside cave, opened indiscriminate fire. The Officer dashed towards the cave, the terrorist threw grenades at him, missing him narrowly. Utilizing split second exposure of terrorist, he neutralized him.

For planning and executing clinical operation, displaying nerves of steel and utter disregard to own safety while saving lives of own troops, resolute leadership and eliminating two terrorists, Major Malla Rama Gopal Naidu is awarded "KIRTI CHAKRA".

4. 9121885W RIFLEMAN RAVI KUMAR, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, 63 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 12 September 2023)

Bravery has been the second nature of Rifleman Ravi Kumar (9121885W). Even on 12 September 2023, he volunteered to be the leading Scout of Commanding Officer's Quick Reaction Team in hot pursuit of terrorists.

At around 1530 hours, while trailing the terrorists through extremely rugged terrain and dense foliage, he spotted two terrorists at very close range who were ready to fire. On being fired upon, reflexively he pushed aside his buddy towards safety, dived, took cover and retaliated fire. Despite sustaining a hit in the initial fire exchange, he continued to engage the two terrorists and grievously injured one. Simultaneously, he guided the other team members for cutting off the escape routes. He was bleeding profusely, nevertheless, he refused to be evacuated and continued to pin down the terrorists to prevent their escape till he eventually lost consciousness. While being evacuated, he breathed his last.

Rifleman Ravi Kumar has made the supreme sacrifice in the highest traditions of Indian Army. His act has epitomised valour, courage and selflessness in the face of grave danger. Neutralisation of two hard-core terrorists apart, his act has galvanised the complete Battalion. Rifleman Ravi Kumar is awarded "KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)".

S. M. SAMI
Under Secretary

---

No. 165-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of the "Shaurya Chakra" to the under mentioned personnel for the acts of gallantry:—

1. IC-63508Y COLONEL PAWAN SINGH, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)

(Effective date of Award: 10 October 2023)

On 10 October 2023, Colonel Pawan Singh (IC-63508Y) mission commander, received information of multiple priority-1 casualties from Camp II of Mount Nun. The condition was deteriorating rapidly.

He took off immediately after carrying out calculated risk assessment for reconnaissance of causality and landing site. The area was totally devoid of any landing site and reference point. Landing at an unprepared elevation of 19270 feet has never been done and was beyond the helicopter's power. He took a daring and skilled risk assessment of stripping the aircraft to minimum weight by removing doors, seats, survival pack and even minimum oxygen bottles. The aircraft again flew to the site inspite of adverse weather and unfavourable operating conditions. Utter disregard to personal safety, he pushed his skill and professionalism to extremes even though incapacitated by blowing snow, extreme temperature and lack of oxygen. Carried out successful low hover evacuation of four expedition team members and one mortal remains.

For his exemplary display of courage, decision making and daring rescue beyond the call of duty even at the peril of his own life, thus paving way to subsequent rescues of a total of fourteen casualties from Camp II of Mount Nun, Colonel Pawan Singh is awarded "SHAURYA CHAKRA".

2. IC-75329L MAJOR CVS NIKHIL, 21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of Award: 23 November 2023)

Major CVS Nikhil (IC-75329L) team leader of the Special Forces, demonstrated exceptional operational acumen and gallantry during an operation near the Indo-Myanmar border. His leadership and profound understanding of the operational dynamics led to the successful elimination of two cadres of Valley Based Insurgent Group, thwarting their infiltration into Indian Territory.

On 23 November 2023, with precise intelligence indicating the imminent threat, Major CVS Nikhil astutely deployed his troop to lay a meticulously planned ambush along the likely infiltration route. Upon establishing surveillance, he, alongside the scout, identified and challenged a group of armed cadres attempting to breach their ambush site. In the face of indiscriminate enemy fire and without regard to personal safety, Major Nikhil and his scout engaged the insurgents, trapping them in a kill zone. Despite being under heavy fire, the officer's exceptional marksmanship and courageous pursuit resulted in pinning down the insurgents. Exhibiting exemplary field craft, Major Nikhil out manoeuvred the insurgents with precision, thereby identifying and directly eliminating a most wanted insurgent with accurate firing.

The officer's tactical brilliance and leadership were instrumental in not only thwarting the infiltration but also dismantling the group's leadership. For his extraordinary valour and leadership going beyond call of duty, Major CVS Nikhil is awarded "SHAURYA CHAKRA".

3. IC-78151L MAJOR AASHISH DHONCHAK, SENA MEDAL, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

4. 4494574P SEPOY PARDEEP SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 13 September 2023)

On 13 September 2023, Major Aashish Dhonchak (IC-78151L) Sena Medal and Sepoy Pardeep Singh (4494574P) were part of a specific search and destroy operation in densely forested area in Anantnag District.

Major Aashish Dhonchak, Sena Medal: As the terrorist hideout was located and identified, terrorists opened indiscriminate fire in a bid to escape. Major Aashish Dhonchak, Sena Medal being unmindful of his own safety brought down retaliatory fire in the direction of the terrorists. In order to protect his column, the officer selflessly gave cover fire without caring for his own safety. In the ensuing fire fight the officer sustained severe Gun Shot Wounds. Even after being severely wounded the officer continued to pin down the terrorist though precision fire allowing his team to take cover and further eliminate the terrorist. The officer displayed raw courage and gave the true definition of leading from the front.

Sepoy Pardeep Singh: Sepoy Pardeep Singh the leading scout, being unmindful of his own safety, brought down retaliatory fire towards the terrorists. In order to protect his column, Sepoy Pardeep Singh selflessly gave cover fire to his column at great personal risk. In the ensuing fire fight Sepoy Pardeep Singh sustained Multiple Gun Shot Wounds. Individual held his position and continued to pin down the terrorist along with Major Aashish Dhonchak, Sena Medal which allowed his team to take cover and further eliminate the terrorist.

The undaunting valour and unwavering loyalty towards their team led to the elimination of terrorists. The neutralized terrorist was later identified as category 'B' terrorist. For displaying conspicuous gallantry beyond the call of duty leading to elimination of hard core terrorists and making supreme sacrifices to the nation, Major Aashish Dhonchak, Sena Medal and Sepoy Pardeep Singh are awarded "SHAURYA CHAKRA (POSTHUMOUS)".

5. IC-81185K MAJOR TRIPATPREET SINGH, THE ARMY SERVICE CORPS, 34 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 04 January 2024)

Since January 2022, Major Tripatpreet Singh (IC-81185K) has exhibited exceptional valour and inspiring leadership in six successful operations, resulting in elimination of nine hardcore terrorists.

On 04 January 2024, upon receiving specific input regarding presence of terrorist in a village in Shopian District, as mission leader, he immaculately planned and swiftly cordoned the target location, laying an unconventional cordon.

After prolonged fire and efforts to force the terrorist to abandon his advantageous position went in vain, the officer, crawled inch by inch, braving deadly fire, closed-in and forced the terrorist to move out. Undeterred, being face to face with the terrorist, Major Tripatpreet held his nerves and displaying raw courage in the face of grave mortal danger, neutralised the hardcore terrorist in a deadly close quarter battle. The neutralised terrorist was later identified as Category 'A+' terrorist.

For displaying outstanding leadership, supreme gallantry and intrepidity beyond the call of duty and eliminating one hardcore terrorist without any collateral damage, Major Tripatpreet Singh is awarded "SHAURYA CHAKRA".

6. IC-83064F MAJOR SAHIL RANDHAWA, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 34 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 16 November 2023)

Since June 2022, Major Sahil Randhawa (IC-83064F) has exhibited inspiring leadership during conduct of four successful operations, resulting in elimination of multiple hardcore terrorists.

On 16 November 2023 at 1200 hours, upon receiving specific input regarding presence of five terrorists in a village in Shopian District, he immaculately planned and swiftly cordoned the target location, trapping all the terrorists. At around 2300 hours, three terrorists tried to break cordon under indiscriminate fire and grenade blasts. Sensing danger to own troops, Major Sahil Randhawa along with his buddy stealthily and swiftly relocated and intercepted them. Undeterred, being face to face with the terrorists, the Officer held his nerves and displaying raw courage in the face of grave mortal danger, neutralised one terrorist at extremely close range and engaged another, enabling his buddy to neutralise the other terrorist. The neutralised terrorist was later identified as Category 'A' terrorist.

For displaying conspicuous gallantry and intrepidity beyond the call of duty and eliminating one hardcore terrorist and injuring the other without any collateral damage, Major Sahil Randhawa is awarded "SHAURYA CHAKRA".

7. JC-583083P SUBEDAR SANJEEV SINGH JASROTIA, 5TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES

(Effective date of Award: 16 September 2023)

During a counter terrorist operation on 16 September 2023, Subedar Sanjeev Singh Jasrotia (JC-583083P) was the ambush party commander along the Line of Control in Baramulla District. On being alerted by the early warning detachment regarding movement of four armed terrorists across a Nallah, he re-sited his ambush party and maintained tactical surprise.

Displaying exemplary tactical acumen, Subedar Sanjeev Singh Jasrotia allowed the armed terrorists to move inside his killing zone. From his covered position, he challenged the group of terrorists, who immediately opened fire in his direction. Subedar Sanjeev Singh Jasrotia immediately fired accurately at the terrorists pinning them down. One of the terrorists occupying a dominating position in the folds of Nallah was firing at the ambush party. Subedar Sanjeev Singh Jasrotia with utter disregard to personal safety crawled towards Nallah under heavy fire using folds of the ground and neutralised the terrorist from a very close range with his assault rifle while injuring two more fleeing terrorists.

For displaying unparalleled courage, selfless devotion and conspicuous bravery in the line of fire and neutralising one hardcore terrorist and injuring two more, Subedar Sanjeev Singh Jasrotia is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

8. JC-288663P NAIB SUBEDAR P PABIN SINGHA, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 56 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 26 October 2023)

Naib Subedar P Pabin Singha (JC-288663P) was commander of ambush deployed along the Line of Control in Kupwara District on 25 October 2023, for intelligence based counter infiltration operation.

On 26 October 2023, at 1010 hours five terrorists were spotted. Naib Subedar P Pabin Singha immediately relocated ambush to trap them and prevent their escape. At 1025 hours, ambush was sprung and terrorists retaliated with heavy fire, lobbying grenades, pinned down own troops. Sensing danger to own troops, Naib Subedar Singha with disregard to own safety, crawled under volley of heavy fire towards the terrorists and fired at them from close range and neutralized one terrorist. Other terrorists spotted him and fired at him fiercely and threw grenades at him, missing him narrowly. He rolled over to his side and fired back at the terrorists, pinning them down. Two terrorists tried to escape, he immediately dashed forward, changed his location, fired at the terrorists and prevented their escape, pinning them down, facilitating their elimination.

For displaying courage, nerves of steel, utter disregard to own safety while saving lives of own troops, exceptional leadership and eliminating one hardcore terrorist, Naib Subedar P Pabin Singha is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

9. SPO-825 SPECIAL POLICE OFFICER ABDUL LATIF, THE JAMMU AND KASHMIR POLICE

(Effective date of Award: 04 September 2023)

Shri Abdul Latif (SPO-825), a Special Police Officer at District Reasi since four years, is a brave, dedicated soldier who has been actively participating in operations.

On 04 September 2023 at 0545 hours, two armed terrorists approached his house seeking food and assistance. Despite being outnumbered and without weapon, retaining composure in face of heavily armed terrorists, he initially gained their confidence posing himself as Over Ground Worker. Displaying presence of mind, he first gained trust, then moved his family to safety. Thereafter, before moving out of the house on pretext of getting food, he discreetly locked room in which the terrorists were resting and also other exit of the house and alerted the nearest post. He called his brother to maintain watch over the house till he guides approaching columns. On arrival of forces, he actively participated in kinetic operations leading to neutralization of one foreign terrorist.

The conspicuous gallant act displayed by Shri Abdul Latif marked by steely nerves and unmatched heroics in face of imminent threat to his family and himself is unparalleled. For resolve, patriotism and bravery leading to elimination of a terrorist, Special Police Officer Abdul Latif is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

10. CAPTAIN SHARAD SINSUNWAL (04823-K), COMMANDING OFFICER INS KOLKATA

(Effective date of Award: 13 March 2024)

Captain Sharad Sinsunwal (04823-k) is presently the Commanding Officer of INS Kolkata. His ship was deployed for safety of Merchant Vessels at “Gulf of Aden” from 16 December 2023 onwards. During the period, a total of 27 attacks occurred wherein 13 Merchant Vessels were damaged and some sailors lost their lives. Notwithstanding these dangers, INS Kolkata repeatedly rendered assistance to missile hit merchant vessels, rescued 67 people and saved 17 hostages from pirates.

On 22 February 2024 when Merchant Vessel Islander was attacked by two anti-ship ballistic missiles then Captain Sharad Sinsunwal sent an explosive disposal and medical team on merchant vessel thereafter it became safe for further voyage. The second incident took place on 04 March 2024 at about 1500 hrs wherein Merchant Vessel MSC II was attacked by two Houthi Ballistic missiles and got ablazed. Notwithstanding the danger from fire, Captain Sharad Sinsunwal sent his team to Merchant Vessel and controlled the fire in 3 hrs 30 min. The next incident took place on 06 March 2024 at 1600 hrs wherein Merchant Vessel true confidence was hit by two Houthi missiles and got ablazed. Captain Sharad Sinsunwal started rescue operation using helicopter and boats in adverse condition like bad weather and high sea waves. 3 of 24 members of merchant vessel lost their lives and other 3 were seriously injured. The last incident took place on 13-15 March 2024, when INS Kolkata intercepted the hijacked Merchant Vessel Ruen wherein 35 pirates held hostages group of 17 Bulgarians and Myanmarese. INS Kolkata continuously fired on pirates for 40 hours and ensured the safety of hostages. His gallant acts resulted in the surrender of all the 35 pirates and rescue of all the hostages.

The actions of INS Kolkata in these four incidents resulted in acclaim from international and Indian leaders. For displaying courage, utter disregard to personal safety and leading from the front, Captain Sharad Sinsunwal is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

11. LIEUTENANT COMMANDER KAPIL YADAV (44003-F), AEO INS VISAKHAPATNAM

(Effective date of Award: 27 January 2024)

Lt Cdr Kapil Yadav (44003-F) undertaking the duties of Assistant Engineer Officer (AEO) onboard the ship whilst deployed for Op PoG received distress call from Merchant Vessel (MV) Marling Luanda, an oil tanker carrying highly inflammable Naphtha, at 2220 hrs on 26 Jan 2024 due to a major fire onboard post missile attack.

Due to the lack of the firefighting expertise and the increasing fire onboard, the Master of MV Marlin Luanda requested for assistance. Lt Cdr Kapil Yadav volunteered to board the MV Marling Luanda and fight fire. The MV was carrying Naphtha, a highly hazardous material as enlisted by the Occupational Safety and Health Administration (OSHA) Hazard Communication Standard (29 CFR 1910.1200). It's an extremely flammable material that causes irritation to eyes and affects central nervous system/respiratory system if inhaled and proves fatal it swallowed. On reaching the merchant vessel, the officer used his technical expertise and continued to fight fire valiantly and with complete disregard to his personal safety, walked through the raging fire in high temperatures amidst harmful gases and covered the hole on the fuel tank by the metal plate. This proved instrumental in cutting off the oxygen supply and aided in extinguishing fire that was raging for last 18 hours and controlled six hours of continuous firefighting.

His gallant act and technical expertise has projected Indian Navy's image positively and has immensely amplified its reputation world over. The Officer's fighting spirit under adverse conditions saved invaluable lives, Lieutenant Commander Kapil Yadav is awarded "SHAURYA CHAKRA".

12. WING COMMANDER VERNON DESMOND KEANE VAYU SENA MEDAL (31215) FLYING (PILOT)

(Effective date of Award: 24 July 2023)

Wing Commander Vernon Desmond Keane Vayu Sena Medal (31215) Flying (Pilot) is on the posted strength of a Jaguar Squadron since 28 February 2022.

On 24 July 2023, during a sortie on Jaguar fighter aircraft, he experienced an unprecedented Oil-1 and Oil-2 failure warning. The warning indicated a major oil system malfunction, warranting immediate shut down of both engines to prevent their imminent seizure. Such a situation had never occurred in the past and actions for such system failure have not been envisaged. The pilot while maintaining a calm composure, decided to shut down the left engine and initiated recovery using the right engine for the closest runway. While on approach, at an altitude of 2500 feet, the right engine failed catastrophically. The aircraft was now in a powerless glide, losing altitude rapidly and approaching densely populated Gorakhpur town. Since the only serviceable engine had also seized, the situation warranted an immediate ejection. The pilot while displaying superlative flying skills, controlled the aircraft, turned away to prevent loss of civilian life and property in case of a probable ejection and jettisoned empty fuel tanks clear of populated area. He simultaneously decided to attempt relight on the left engine and successfully revived it. He then deftly controlled and recovered the aircraft safely off a single engine.

During these multiple life-threatening situations, the officer displayed exceptional courage, perseverance and composure in recovering a gravely stricken aircraft. His undaunted courageous decision to remain with the stricken aircraft while displaying superlative piloting skills and exceptional situational awareness ensured the safety of a valuable national asset and precluded a probable loss of lives and property on ground. For his act of exceptional gallantry and courage, Wing Commander Vernon Desmond Keane VM is awarded "SHAURYA CHAKRA".

13. SQUADRON LEADER DEEPAK KUMAR (32754) FLYING (PILOT)

(Effective date of Award: 25 August 2023)

Squadron Leader Deepak Kumar (32754) Flying (Pilot) is on the posted strength of AFS Hakimpet since 17 April 2023. On 25 August 2023, he was authorised to fly an instructional night sortie in a Kiran aircraft along with a trainee pilot.

The sortie was being flown during dark night. While going around after a low overshoot, the aircraft experienced a bird hit resulting in engine flame out. At this stage of flight, the undercarriage had been retracted and was in the process of going up. He promptly assessed the situation and took a decision to force land the aircraft straight ahead. He simultaneously directed the flight cadet to lower the under carriage. Despite limited cues available in the night, he used his exceptional judgement and superlative flying skills to force land the aircraft on the runway. The available length of the runway after landing was just about 1000 feet, wherein his prompt actions of switching off, braking and engagement of arrester barrier resulted in safe stopping of aircraft, with minimum damage. These actions gain more credence considering the shorter than normal runway at Hakimpet, dark night conditions offering less cues to the pilot for force landing and in an extremely compressed time frame for reacting.

During this life-threatening situation, the officer displayed exceptional courage, perseverance and composure in recovering a gravely stricken aircraft. His undaunted courageous decision to force land the aircraft on a dark night required superlative piloting skills and exceptional situational awareness, thus ensuring the safety of a valuable national asset and precluding a probable loss of lives. For his act of exceptional gallantry and courage, Sqn Ldr Deepak Kumar is awarded "SHAURYA CHAKRA".

14. SHRI PAWAN KUMAR, CT/GD, CRPF (POSTHUMOUS)

15. SHRI DEVAN C, CT/GD, CRPF (POSTHUMOUS)

16. SHRI LAKHVEER, DY COMDT, CRPF
17. SHRI RAJESH PANCHAL, AC, CRPF
18. SHRI MALKIT SINGH, CT/GD, CRPF

(Effective date of Award: 30 January 2024)

On January 30, 2024, 201 CoBRA and 150 BN CRPF launched an operation to establish a new FOB at Tekalgudium, PS Jagarguanda, Distt Sukma, Chhattisgarh a known Naxal stronghold.

When 201 CoBRA Commandos cordoned the new FOB area they saw armed Naxals advancing from the South. Shri Lakhveer, DC swiftly alerted his teams and took position, as naxals opened heavy fire. Shri Lakhveer, DC bravely engaged them directly inspiring his troops and directing their counterattack. His leadership and courage led to a successful defence, neutralizing many naxals despite the intense combat.

Shri Lakhveer, DC was severely injured by a BGL blast over the head, but remained composed and tied his patka/scarf to stop the excessive loss of blood and continued to lead his troops. Despite his injury, he coordinated the evacuation of wounded personnel. In the heat of the fight, Ct/GD Pawan Kumar and Ct/GD Devan C risked their lives by fiercely engaging advancing Naxals, but unfortunately Ct/GD Pawan Kumar was shot by a sniper. In a brave rescue attempt, Ct/GD Malkit Singh exposed himself to heavy fire to recover Ct/GD Pawan Kumar's body, displaying extraordinary courage. Ct/GD Malkit Singh after being hit in the chest, continued to fight and neutralized many a naxals. Ct/GD Pawan Kumar and Ct/GD Devan C displayed extraordinary bravery and ultimately sacrificed their lives in the line of duty. Sh Rajesh Panchal, AC also showed exceptional leadership under heavy fire, wherein even after sustaining a bullet injury on his right hand, continued to lead and motivate his team.

For their bravery, extraordinary courage, exceptional leadership and act of gallantry, Ct/GD Pawan Kumar (Posthumous), Ct/GD Devan C (Posthumous), Dy Comdt Lakhveer, AC Rajesh Panchal, Ct/GD Malkit Singh are awarded "SHAURYA CHAKRA".

S. M. SAMI
Under Secretary

---

No. 166-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of the "Bar to Sena Medal/Army Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-73757L LIEUTENANT COLONEL NITIN KUMAR SINGH, SENA MEDAL, THE MAHAR REGIMENT, 1 RASHTRIYA RIFLES

S. M. SAMI
Under Secretary

---

No. 167-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of the "Sena Medal/Army Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-61047F LIEUTENANT COLONEL RAMAN TYAGI, THE CORPS OF ENGINEERS, HEADQUARTERS 26 SECTOR ASSAM RIFLES
2. IC-65970W LIEUTENANT COLONEL AJAY KUMAR, 3 CORPS INTELLIGENCE BATTALION
3. IC-69638X LIEUTENANT COLONEL SUDHIR SINGH KALAKOTI, THE 5 GORKHA RIFLES, 33 RASHTRIYA RIFLES
4. IC-70651N LIEUTENANT COLONEL S HARSHAVARDHANAN, 27 MOUNTAIN DIVISION ORDNANCE UNIT
5. IC-71323M LIEUTENANT COLONEL ROSHAN KUMAR JAIN, 14TH BATTALION THE MAHAR REGIMENT
6. IC-72230K LIEUTENANT COLONEL PRIYANK PURI, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
7. IC-72243F LIEUTENANT COLONEL SAKIL AHMAD, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 36 ASSAM RIFLES
8. IC-74803F LIEUTENANT COLONEL NAGENDRA KUMAR SARASWAT, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
9. IC-75136L LIEUTENANT COLONEL MUTUM AJOY MEITEI, 5 LADAKH SCOUTS

10. IC-76478L MAJOR GAURAV BHARDWAJ, THE BIHAR REGIMENT, 63 RASHTRIYA RIFLES
11. IC-76988M MAJOR ROBIN DEV ANAND, THE 8 GORKHA RIFLES, 33 RASHTRIYA RIFLES
12. IC-77068F MAJOR NACHHATAR SINGH GORAYA, THE MADRAS REGIMENT, 8 RASHTRIYA RIFLES
13. IC-77384A MAJOR SACHIN KUMAR, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
14. IC-77413K MAJOR PRASUN PANDE, 1 LADAKH SCOUTS
15. IC-78506L MAJOR AMAR BAKSHI, 19TH BATTALION THE RAJPUT REGIMENT
16. IC-79099A MAJOR GAGANDEEP SINGH, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
17. IC-79721H MAJOR NITIN RAWAT, THE PUNJAB REGIMENT, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
18. IC-80621K MAJOR SHANTANU GHATPANDE, 5TH BATTALION THE 9TH GORKHA RIFLES
19. IC-82239M MAJOR GAUTAM DEV SINGH, 21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
20. IC-82420K MAJOR MANOHAR SINGH, THE JAT REGIMENT, 13 ASSAM RIFLES
21. IC-82507L MAJOR GIRISH A MASTI, THE CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS, 57 RASHTRIYA RIFLES
22. IC-82926H MAJOR SAURAV SINGH, 14TH BATTALION THE DOGRA REGIMENT
23. IC-82952K MAJOR GAURAV BISHT, THE MADRAS REGIMENT, 25 RASHTRIYA RIFLES
24. IC-84427M MAJOR GITANSH AHLUWALIA, 9TH BATTALION THE SIKH LIGHT INFANTRY
25. IC-86578K MAJOR PUSHPINDER SINGH VERMA, 5TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES
26. SS-45980Y MAJOR MOHIT RAWAT, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
27. SS-47593H MAJOR ANIL KUMAR, THE CORPS OF ENGINEERS, 44 RASHTRIYA RIFLES
28. SS-47912K MAJOR RAMSAGAR PANDAY, THE 11 GORKHA RIFLES, 1 SIKKIM SCOUTS
29. SS-48876W MAJOR MANIK SINGH, BRIGADE OF THE GUARDS, 11 ASSAM RIFLES
30. SS-49008W MAJOR ANAND GAURAV, THE PARACHUTE REGIMENT, HIGH ALTITUDE WARFARE SCHOOL
31. SS-49045K MAJOR SOUGRAKPAM RISHIKESH SINGH, THE CORPS OF ENGINEERS, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
32. SS-50219L MAJOR LALDINGNGHETA, THE MADRAS REGIMENT, 8 RASHTRIYA RIFLES
33. TA-42982Y MAJOR AMIT SHARMA, 160 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)
34. IC-88646L CAPTAIN AJAY SHARMA, 6 ENGINEER REGIMENT
35. SS-50062W CAPTAIN RAJESH SINGH, 19TH BATTALION THE MADRAS REGIMENT
36. SS-51776W CAPTAIN ROHAN RAVINDRA HANAGI, THE CORPS OF ELECTRONICS AND MECHANICAL ENGINEERS, 4TH BATTALION THE RAJPUTANA RIFLES
37. JC-414937K NAIB SUBEDAR DEEPAK KUMAR SHARMA, 21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
38. JC-523635N NAIB SUBEDAR RAMESH CHANDER, 14TH BATTALION THE DOGRA REGIMENT
39. JC-613350H NAIB SUBEDAR BHOJ RAJ THAPA, 2ND BATTALION THE 4TH GORKHA RIFLES
40. 13627381N HAVILDAR PRAKASH CHHETRI, 21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
41. 13770458N HAVILDAR SUDESH KUMAR, 6TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES
42. 15565885H HAVILDAR ANIL DINKAR KALASE, 267 ENGINEER REGIMENT (POSTHUMOUS)

43. 16111860L HAVILDAR VEERABHADRAPPA NINGANUR, 20 ENGINEER REGIMENT
44. 13628789Y NAIK SUBHASH CHANDRA VERMA, THE MAHAR REGIMENT, 1 RASHTRIYA RIFLES
45. 13628828M NAIK MUSHTAQ AHMAD BHAT, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
46. 13777115A NAIK SHASHI THAKUR, 21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
47. 13778896L NAIK LOKINDER SHARMA, 5TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES
48. 14705416K NAIK L MACHINMI, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
49. 2811392M NAIK GORE AMOL TANHAJI, 11TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)
50. 3012149W NAIK SONU PRATAP SINGH, THE RAJPUT REGIMENT, 44 RASHTRIYA RIFLES
51. 9113368K NAIK MOHD IQBAL KHAN, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, 8 RASHTRIYA RIFLES
52. 13630846N LANCE NAIK MANIR HOSSAIN, 12TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
53. 7244307W ACTING LANCE DAFADAR RAJESH KUMAR UMARE, 21 ARMY DOG UNIT
54. 15809147L SEPOY SHASHI RANJAN, THE ARMY AIR DEFENCE, 25 RASHTRIYA RIFLES
55. 2624483L SEPOY ASHOK G, THE MADRAS REGIMENT, 8 RASHTRIYA RIFLES
56. 2819007M SEPOY KANERKAR SANDIP KRISHNATH, THE MARATHA LIGHT INFANTRY, 56 RASHTRIYA RIFLES
57. 2819649F SEPOY MUTTU SAPPURI, THE MARATHA LIGHT INFANTRY, 56 RASHTRIYA RIFLES
58. 3019345Y SEPOY RAKEE SENGAR, THE RAJPUT REGIMENT, 44 RASHTRIYA RIFLES
59. 3022056P SEPOY MOHIT KUMAR, THE RAJPUT REGIMENT, 44 RASHTRIYA RIFLES
60. 3212074N SEPOY TARA CHAND RANWA, THE JAT REGIMENT, 34 RASHTRIYA RIFLES
61. 3213898H SEPOY VIKAS, THE JAT REGIMENT, 34 RASHTRIYA RIFLES
62. 15242620N GUNNER HARI CHAND, THE REGIMENT ARTILLERY, 34 RASHTRIYA RIFLES
63. 13632959P PARATROOPER SUSHIL, 29TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

S. M. SAMI
Under Secretary

---

No. 168-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of the "Nao Sena Medal/Navy Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. CAPTAIN BRIJESH NAMBIAR (04867-K)
2. CAPTAIN RAJABABU SHARMA (05835-K)
3. COMMANDER RAHUL SHARMA (06456-Y)
4. LIEUTENANT COMMANDER VAIBHAV TYAGI (07904-N)
5. LIEUTENANT COMMANDER HARDEEP SINGH (08375-H)
6. LIEUTENANT COMMANDER NAVEEN RATHEE (08969-H)
7. LIEUTENANT COMMANDER HARSHUL BHAT (09376-H)
8. MCPO I (GS) VEER SINGH YADAV (117314-Z)
9. LS (GW) GI AVINASH CHOUDHARY (237490-A)
10. SEA I (MC) VISHAL (250048-T), INS KOLKATA

11. ME I PAARS RANA (260414-A), INS KOLKATA

S. M. SAMI
Under Secretary

---

No. 169-Pres/2024—The President is pleased to approve the award of the "Vayu Sena Medal/Air Force Medal" to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. WING COMMANDER ANAND VINAYAK AGASHE (27228) FLYING (PILOT)
2. WING COMMANDER JASPREET SINGH SANDHU (29033) FLYING (PILOT)
3. WING COMMANDER AKSHAY ARUN MAHALE (29451) FLYING (PILOT)
4. SQUADRON LEADER MAHIPAL SINGH RATHORE (32799) FLYING (PILOT)
5. JUNIOR WARRANT OFFICER VIKAS RAGHAV (904504) INDIAN AIR FORCE (GARUD)
6. SERGEANT ASHWANI KUMAR (931627) FLIGHT GUNNER

S. M. SAMI
Under Secretary

---

No. 170-Pres/2024—The President is pleased to give orders for Publication in the Gazette of India of the names of the under Mentioned officers/personnel for "Mention- in-Despatches" received by the Raksha Mantri from the "Chief of the Army Staff":—

OPERATION RAKSHAK

1. IC-81289L MAJOR ASHUTOSH KUMAR YADAV, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
2. IC-88314F CAPTAIN JAIDEEP SINGH, 6TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES
3. JC-624527L SUBEDAR TANK BAHADUR DARLAMI, THE 8 GORKHA RIFLES, 33 RASHTRIYA RIFLES
4. JC-414546Y NAIB SUBEDAR MAHENDER SINGH, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
5. JC-442996M NAIB SUBEDAR KALESH K PILLAI, 19TH BATTALION THE MADRAS REGIMENT
6. 13627891P HAVILDAR JUGENDRA SINGH, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
7. 4003192M HAVILDAR VIRENDER SINGH, 14TH BATTALION THE DOGRA REGIMENT
8. 4283461H HAVILDAR CHARO ORAON, THE BIHAR REGIMENT, 63 RASHTRIYA RIFLES
9. 4573242M HAVILDAR KAMALJIT SINGH, 14TH BATTALION THE MAHAR REGIMENT
10. 2619177M NAIK SURESH UNDURE, THE MADRAS REGIMENT, 25 RASHTRIYA RIFLES
11. 4289857H NAIK BIKRAM KESHRI MALL, 2ND BATTALION THE BIHAR REGIMENT
12. 5253831Y NAIK DHIRAJ MAGRATI, 5TH BATTALION THE 3RD GORKHA RIFLES
13. 15509488K ACTING LANCE DAFADAR HANS RAJ, THE ARMOURED CORPS, 8 RASHTRIYA RIFLES
14. 23001456H SEPOY RAVI SHANKAR, THE ARMY AIR DEFENCE, 25 RASHTRIYA RIFLES
15. 23002372F SEPOY VISHAL KUMAR, THE ARMY AIR DEFENCE, 63 RASHTRIYA RIFLES
16. 4297588W SEPOY BITTU KUMAR, THE BIHAR REGIMENT, 63 RASHTRIYA RIFLES
17. 5355516W RIFLEMAN GAUTAM PUN, 2ND BATTALION THE 4TH GORKHA RIFLES
18. 5460908H RIFLEMAN RAJ KUMAR SUNAM, THE 5 GORKHA RIFLES, 33 RASHTRIYA RIFLES
19. 15520632F SOWAR JITENDRA, THE ARMOURED CORPS, 8 RASHTRIYA RIFLES
20. 15522601A SOWAR DEEPAK KUMAR, THE ARMOURED CORPS, 8 RASHTRIYA RIFLES
21. 08B2 ARMY DOG KENT, 21 ARMY DOG UNIT (POSTHUMOUS)

OPERATION SNOW LEOPARD

22. IC-76709W MAJOR BHUWAN PRATAP SINGH, 12TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
23. IC-82292X MAJOR HARMANDEEP SINGH BRAR, THE ARMY AIR DEFENCE, 38 RASHTRIYA RIFLES
24. JC-532854W SUBEDAR LALIT MOHAN SINGH, 4TH BATTALION THE GARHWAL RIFLES
25. 9114625H HAVILDAR SHADIL HUSSAIN ITOO, 12TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
26. 15586988P NAIK RAMINDER SINGH, THE CORPS OF ENGINEERS, 51 RCC (GREF)
27. 9428002H LANCE NAIK KARMA WANGYAL BHUTIA, THE 11 GORKHA RIFLES, 1 SIKKIM SCOUTS
28. 4383462A SEPOY H LALROKIMA, THE ASSAM REGIMENT, 59 RASHTRIYA RIFLES

OPERATION SAHAYATA

29. SL-05556N LIEUTENANT HARWANT SINGH, 16TH BATTALION THE KUMAON REGIMENT
30. 15214231X HAVILDAR DEVENDRA KUMAR PANDEY, 305 FIELD REGIMENT

OPERATION HIFAZAT

31. IC-75518P MAJOR DURGESHWAR PRATAP SINGH, THE KUMAON REGIMENT, 36 ASSAM RIFLES
32. 4371713M HAVILDAR MOAKABA AO, 21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

OPERATION ORCHID

33. IC-81896K MAJOR AMIT MISHRA, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 23 ASSAM RIFLES
34. SS-48896K MAJOR RAVIKANT MEHRA, THE DOGRA REGIMENT, 27 ASSAM RIFLES
35. 13627213P HAVILDAR HARI THAPA, 21ST BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

OPERATION KATCHAL

36. SS-51519Y LIEUTENANT YUGANT KUMAR PANDEY, 8TH BATTALION THE SIKH REGIMENT

IS DUTY

37. JC-608619N NAIB SUBEDAR THAMAN BAHADUR THAPA, 1ST BATTALION THE 3RD GORKHA RIFLES

MISCELLANEOUS OPERATION

38. IC-76617K MAJOR VISHAL KUMAR YADAV, 11TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
39. IC-81839H MAJOR PRATEEK KUMAR, 11TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

S. M. SAMI
Under Secretary

महाप्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली–110002 द्वारा अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली–110054 द्वारा ई–प्रकाशित
UPLOADED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI-110002
AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054

Kshitiz Mohan Digitally signed by Kshitiz Mohan Date: 2025.01.04 09:01:14 +05'30'